



Mahatma Gandhi Shati Smarak Mahavidyalaya,

Garua Maksoodpur, Ghazipur



Workshop on Gender Concerns in Hindi Literature

13 अक्टूबर 2022 को महात्मा गाँधी शती स्मारक महविद्यालय गरुआ मकसूदपुर में हिंदी साहित्य में स्त्री विमर्श पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का प्रारम्भ प्राचार्य सुशील तिवारी के उद्घोषण से किया गया। मुख्य वक्ता के तौर पर श्री रामाश्रेथे जिन्होंने स्त्री विमर्श पर अपने विचार रखते हुए बताया की नारीवादी सिद्धांतों का उद्देश्य लैंगिक असमानता की प्रकृति एवं कारणों को समझना तथा इसके फलस्वरूप पैदा होने वाले लैंगिक भेदभाव की राजनीति और शक्ति संतुलन के सिद्धांतों पर इसके असर की व्याख्या करना है। स्त्री विमर्श संबंधी राजनैतिक प्रचारों का जोर प्रजनन संबंधी अधिकार, घरेलू हिंसा, मातृत्व अवकाश, समान वेतन संबंधी अधिकार, यौन उत्पीड़न, भेदभाव एवं यौन हिंसा पर रहता है।

स्त्रीवादी विमर्श संबंधी आदर्श का मूल कथ्य यही रहता है कि कानूनी अधिकारों का आधार लिंग न बने। आधुनिक स्त्रीवादी विमर्श की मुख्य आलोचना हमेशा से यही रही है कि इसके सिद्धांत एवं दर्शन मुख्य रूप से पश्चिमी मूल्यों एवं दर्शन पर आधारित रहे हैं।

हालांकि जमीनी स्तर पर स्त्रीवादी विमर्श हर देश एवं भौगोलिक सीमाओं में अपने स्तर पर सक्रिय रहती हैं और हर क्षेत्र के स्त्रीवादी विमर्श की अपनी खास समस्याएँ होती हैं।

नारीवाद राजनीतिक आंदोलन का एक सामाजिक सिद्धांत है जो स्त्रियों के अनुभवों से जनित है। हालांकि मूल रूप से यह सामाजिक संबंधों से अनुप्रेरित है लेकिन कई स्त्रीवादी विद्वान का मुख्य जोर लैंगिक असमानता और औरतों की अधिकार इत्यादि पर ज्यादा बल देते हैं।

नारी-विमर्श (फेमिनिज्म/फेमिनिस्टडिस्कोर्स) का प्रारंभ कब हुआ, इसके संबंध में विद्वानों में सुनिश्चित एकमतता नहीं है। कुछ लोगों के अनुसार इसका प्रारंभ उन्नीसवीं शताब्दी में हुआ, जब पश्चिम में स्त्रियों के मताधिकार और पाश्चात्य संस्कृति में स्त्रियों के योगदान पर चर्चा होने लगी थी।

इस एक-दिवसीय कार्यशाला का समापन हिंदी विभाग की सहायक आचार्य प्रिया शुक्ला के धन्यवाद प्रस्ताव के द्वारा किया गया।


प्राचार्य
महात्मा गाँधी शती स्मारक महविद्यालय
गरुआ, मकसूदपुर-घाज़ीपुर



Mahatma Gandhi Shati Smarak Mahavidyalaya,

Garua Maksoodpur, Ghazipur

Seminar on Women's Position in Indian Philosophy



On October 28, 2020, the Department of Philosophy, Mahatma Gandhi Shati Smarak Mahavidyalaya Garua Maksudpur, Ghazipur organized a One-day Seminar on the theme of “Women's Position in Indian Philosophy” in online mode. The seminar was attended by faculty members and the students from the college.

The head of the Department of Hindi and the incumbent Principal Nitesh Pandey made the ceremonial welcome of the guest speaker. Mr. Shravan Kumar, Assistant Professor of Philosophy had been invited as the guest speaker. The resource person started his lecture by throwing light on ancient Indian philosophy. He vocalized that in ancient India, women, who represented nearly one-half of the population of society, played a role and contributed to the socio-economic, cultural and political condition of the country. In every sector, women have made great contributions. But their roles and contributions could not be recognized, because it has been a male-dominated society from the beginning until today. But it is also true today that whatever women have achieved it is not early for them. They have struggled and completed a long journey. We can see this struggle very easily from the ancient/epic period until today. We have covered a long distance and this journey is going on. Women have been personified as Shakti and equated with the goddess. Their roles and contributions have not been recognized by religion and literature of the period consolidating thus their ignominy in ancient India. But despite of this, we cannot forget their contribution, especially in Indian philosophy and spiritualism. These aspects have been identified and analyzed in this part of the study.

He further emphasized on the concept of ardhnarishwar Indian philosophical system. He highlighted the contributions of women namely Lopamudra, Apala and Ghosha in Indian philosophy.

Finally, the Seminar was concluded by a vote of thanks passed by Dr. Sushu Kumar Tiwari.

Seminar on Reflection on Women's Role in the Indian Independence Movement



On March 08, 2020, the Department of Political Science, Mahatma Gandhi Shati Smarak Mahavidyalaya Garua Maksudpur, Ghazipur organized a one-day seminar on the theme of **“Reflection on Women's Role in the Indian Independence Movement”**. This Lecture was dedicated to the contribution and sacrifices of women.

The head of the Department of Hindi and the incumbent Principal Shri Sushil Tiwari made the ceremonial welcome of the guest speaker. Mrs. Neetu Singh, Assistant Professor has been the key resource person for this guest session. He commenced this lecture by throwing light on the unparalleled efforts made by the women in the Indian freedom struggle. She highlighted the role played by women in the Indian National Movement, **their tireless efforts, and unwavering commitment to freedom and equality**. She further added that the history of Indian Struggle would be incomplete without mentioning the contributions of women. The Sacrifice made by the women of India will occupy the foremost place. They fought with true spirit and unafraid courage and faced various tortures, exploitations, and hardships to earn us freedom. When most of the men freedom fighters were in prison the women came forward and took charge of the struggle. The list of great Women whose names have gone down in history for their dedication and undying devotion to the service of India is a long one. Women’s participation in India’s freedom struggle began as early as 1817. Bhima Bay Holkar fought bravely against the British Colonel Malcolm and defeated him in guerrilla warfare. Rani Lakshmi Bai of Jhansi whose heroism and superb leadership laid on outstanding example of real patriotism. Sarojini Naidu, Kasturba Gandhi, Vijay Lakshmi Pundit, Annie Besant etc. in the 20th century are the names that are remembered even today for their singular contribution both in the battlefield and in the political field.

Mrs Priya Shukla another speaker highlighted the relentless effort made by Savitribai Phule a social activist towards women's education.

Finally, the Seminar was ended by a vote of thanks passed by Dr. Rajeev Kumar.



विचार गोष्ठी कार्यक्रम।

कार्यक्रम अधिकारी (रा०से०यौ०)
महात्मा गांधी स्मारक महाविद्यालय
गण्डगाव, मकसूदपुर-गाजीपुर



प्राचार्य

महात्मा गांधी स्मारक महाविद्यालय
गण्डगाव, मकसूदपुर-गाजीपुर



**Mahatma Gandhi Shati Smarak Mahavidyalaya,
Garua Maksoodpur, Ghazipur**

Extension Activities

**Awareness Campaign for Menstrual Hygiene and Health under
Mission Shakti Abhiyan**

28 May 2023



मिशन शक्ति जागरूकता रैली हेतु तैयार स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाएं।



प्राथमिक विद्यालय में बच्चों को जागरुक करती स्वयंसेविकाएं ।



प्राचार्य
महत्वा बांधी सती स्मारक महाविद्यालय
मल्हा, मकमुत्पुर-गाजीपुर



Mahatma Gandhi Shati Smarak Mahavidyalaya,

Garua Maksoodpur, Ghazipur

Extension Activities

Special Lecture on Women Empowerment


08 March 2022



चतुर्थ एक दिवसीय शिविर, दिनांक 08.03.2022

(महिला दिवस कार्यक्रम)

आज दिनांक 08.03.2022 को राष्ट्रीय सेवा योजना सामान्य कार्यक्रम एक दिवसीय शिविर का आयोजन महाविद्यालय परिसर में किया गया जिसमें सर्वप्रथम नवचयनित स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाओं ने भाग लिया। महिला दिवस कार्यक्रम के अन्तर्गत महिलाओं को जागरुक किया गया। इसका मूल उद्देश्य बालिका झिझक छोड़ो चुप्पी तोड़ो खुलकर बोलो रहा। इस अवसर पर छात्राओं को सैनिटरी नैपकिन वितरित किए गए। इस दौरान स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य वक्ता स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. कल्पना जिंदल रही। उन्होंने छात्राओं को बताया कि किशोरियों व छात्राओं को माहवारी के दौरान एक झिझक महसूस होती है। इसमें शर्मा ने वाली कोई बात नहीं है। यह एक शारीरिक व प्राकृतिक प्रक्रिया है। उन्होंने बताया कि दक्षिण भारत में परिवार में किसी भी लड़की को पहली बार माहवारी आने पर उत्सव मनाया जाता है। डाक्टर ने बताया की सभी छात्राओं व किशोरियों को अभिनेता अक्षय कुमार की पैडमैन फिल्म देखनी चाहिए। इससे कि उनकी झिझक टूटे। प्राचार्य ने सभा को संबोधित करते हुए सभी आगंतुक मेहमानों का आभार व्यक्त किया इस दौरान झिझक छोड़ो चुप्पी तोड़ो खुलकर बोलो अभियान रैली निकाली गई। यह रैली महाविद्यालय से होते हुए प्राथमिक विद्यालय गरुआ मकसूदपुर तक गई। जहां छात्राओं को संक्षिप्त कार्यक्रम के द्वारा जागरुक किया गया तथा रबर, कटर, पेंसिल भी वहां उन्हें मुफ्त में दिया गया। आज के इस रैली चुप्पी तोड़ो खुलकर बोलो के नारे लगाये गये। कार्यक्रम के पश्चात सभी महाविद्यालय में आकर जलपान किये। उपरोक्त के बाद आज का कार्यक्रम आनन्दपूर्व समाप्त किया गया।


कार्यक्रम अधिकारी (रा०से०यो०)
महात्मा गांधी शती स्मारक महाविद्यालय
गरुआ, मकसूदपुर-गाजीपुर



मध्याह्न संगोष्ठी में स्वयंसेविकाएं एवं विद्यालय के बच्चों द्वारा शिक्षारी संसोधन महत्वा गांधी शती स्मारक महाविद्यालय, मकसूदपुर-गाजीपुर



08 मार्च, महिला दिवस कार्यक्रम।


प्राचार्य

महत्वा गांधी शती स्मारक महाविद्यालय
मकसूदपुर-गाजीपुर



Mahatma Gandhi Shati Smarak Mahavidyalaya, Garua Maksoodpur, Ghazipur

Extension Activities

Women Empowerment Campaign under Missiomn Shakti Abhiyan

08 March 2021



चतुर्थ दिवस

दिनांक : 08.03.2021

आज दिनांक: 08.03.2021 को नित्य की भांति प्रातःकाल समय 8:00 बजे महाविद्यालय परिसर में आकर प्रार्थना समा में मां सरस्वती और आदि शक्ति को स्मरण किया। शिविर स्थल की सफाई करते हुए 9:00 बजे सभी स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाओं ने व्यायाम किया। इसके पश्चात् स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाओं का उपस्थिति पंजिका पर हस्ताक्षर कराया गया। तदोपरान्त सभी स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाएँ अपने-अपने परियोजना कार्य के अन्तर्गत विगत दिवस की रिपोर्ट यूनिट लीडर द्वारा कार्यक्रम अधिकारी को प्रस्तुत की गयी तत्पश्चात् चयनित ग्राम-गरुआ मकसूदपुर में जाकर महिला सशक्तिकरण के मुद्दे पर लोगों को जागरूक किया। महिला सशक्तिकरण विषय पर कहा कि हमारे देश में महिलाओं को शक्त बनाने के लिए समय-समय पर अपने कानून में संशोधन किया। दोपहर 1:30 तक भोजन करने के उपरान्त सभी स्वयंसेवक एवं सेविकाएँ 2:30 तक विश्राम किये। दोपहर 2:30 से 4:30 तक बौद्धिक परिवर्धन के अन्तर्गत नारी सशक्तिकरण पर विचार गोष्ठी का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर इकाई के विभिन्न स्वयंसेवक एवं सेविकाएँ भी अपने-अपने विचार व्यक्त किये। डा० हरीशंकर जी ने बताया कि मानव प्रचीन काल में पर्यावरण के साथ अपनी संगति को कायम रखा है। मानवीय सभ्यता और जुगुल बन्दि अति प्राचीन काल से ही चलती आ रही है। मानव वातावरण का प्रेमी था, और प्रकृति के साथ चलता था।

कार्यक्रम अधिकारी ने मिशन शक्ति को समझाते हुए बताया कि मुख्यमंत्री आदित्य गोपीनाथ द्वारा चलाया गया योजना है जिसमें पुलिस अभियान के चलते सभी जिलों गाँव में मिशन शक्ति की जीप या दोपहिया में महिला पुलिस अधिकारी खूद जाकर जांच करेंगी और मनचलों की धर पकड़ करेंगी।

मिशन शक्ति अभियान की शुरुवात हरी झंडी दिखाकर की गई, पुलिस अधिकारियों ने एक वहां को मिशन शक्ति अभियान के जागरूक रथ के रूप में तैयार किया है, जो जगह जगह जाकर लोगों में अभियान के बारे जानकारी देकर उनमें जागरूकता फैलाएगा।

कुछ महिला पुलिस पिक कलर की स्कूटी में जगह जगह जाकर जागरूक करेंगी।

कार्यक्रम अधिकारी डॉ० रमाकान्त यादव के निर्देशन में चाय पी और अगले दिवस कार्यदिवस की योजना बनाई। स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया तत्परचात सभी स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाओं का उपस्थितों पंजिका का हस्ताक्षर कराया गया। कार्यक्रम अधिकारी के आदेशानुसार सभी लोग अपने-अपने घर चले गये।



ग्राम गरुआ, मकसूदपुर में जागरुकता रैली कार्यक्रम।

महात्मा गांधी शती स्मारक महाविद्यालय
गरुआ, मकसूदपुर, गाजीपुर
सप्त दिवसीय विशेष शिविर आख्या



सप्त दिवसीय विशेष शिविर जागरुकता रैली में सहभागी
स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाएं।



प्राचार्य
महात्मा गांधी शती स्मारक महाविद्यालय
गरुआ, मकसूदपुर-गाजीपुर



**Mahatma Gandhi Shati Smarak Mahavidyalaya,
Garua Maksoodpur, Ghazipur**

Extension Activities

Beti Bachao Beti Padhao Rally

10 February 2019



The NSS Unit of Mahatma Gandhi Shati Smarak Mahavidyalaya held a Beti Bachao, Beti Padhao rally to address concerns about gender discrimination and women empowerment in the country. The campaign Beti Bachao, Beti Padhao was aimed to 'Save the girl child, educate the girl child'. The volunteers of NSS raised awareness in the neighbouring village of chochakpur and Garua Maksudpur.



प्राचार्य

महात्मा गांधी स्मृती स्मारक महाविद्यालय
गरुडा, मकसुदपुर-गाजीपुर



Mahatma Gandhi Shati Smarak Mahavidyalaya,

Garua Maksoodpur, Ghazipur

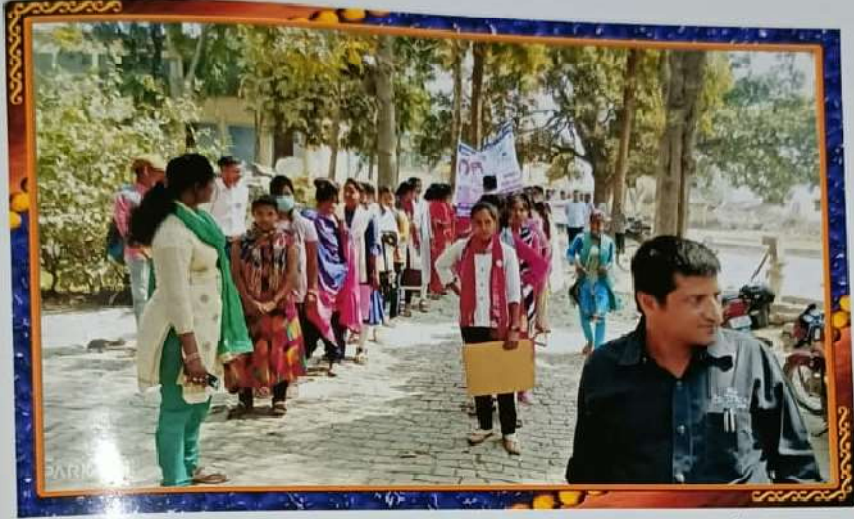
Extension Activities

Beti Bachao Beti Padhao

06 March 2019



Mahatma Gandhi Shati Smarak Mahavidyalaya organized a Beti Bachao, Beti Padhao (BBBP) campaign to address concerns about gender discrimination and women empowerment in the country. The campaign Beti Bachao, Beti Padhao was aimed to 'Save the girl child, educate the girl child'. The volunteers of NSS raised awareness in the neighbouring village of chochakpur .



मिशन शक्ति जागरुकता रैली एवं महिला जागरुकता रैली
में स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाएं।



प्राचार्य

महात्मा गांधी शांति स्मारक महाविद्यालय
गरुडा, मकसुदपुर-गाजीपुर